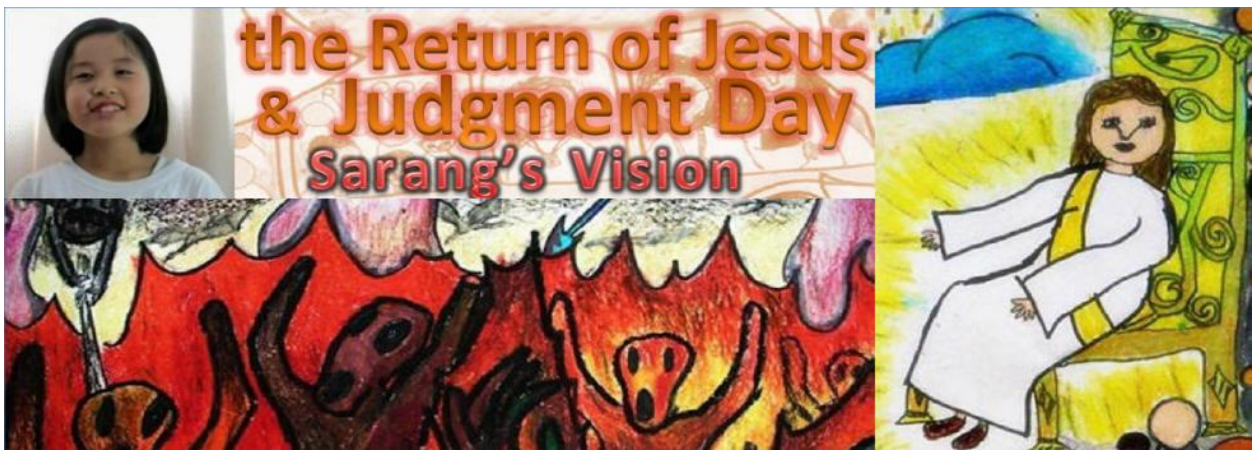

प्रभु यीशु मसीह के पुनरागमन और न्याय के दिन के विषय में,सारंग नामक एक ऐसियाई किशोरी को दर्शन दिया गया।

सारंग जो दर्शन देखी, उसके विषय में सारंग और उनकी माता से निम्नलिखित साक्षात्कार। जो सारंग देखी उसके चित्र सारंग ने बनाए, संकलित है।

http://www.divinerevelations.info/hindi YouTube

कुछ समय पहले सारंग नामक छोटी कोरियन लड़की को प्रभु यीशु ने निकट भविष्य का दर्शन दिखाया। प्रभु ने उसे एक सामर्थी आत्मिक अनुभव दिया, और अब उसके माध्यम से पृथ्वी के सब लोगो से बोल रहा है। उसे दुनिया के अंतिम के दिनो को दिखाया गया, जब वह सोने और जागने के बीच में थी। *(योएल 2:28)* वह देखी, केवल कुछ ही लोगो को स्वर्ग ले जाया जा रहा था, जबकि पृथ्वी पर बाकी बचे लोगो को सूर्य द्वारा जल गए।

Sarang weeping

यह लूत के दिनो की तरह था, आकाश से गंधक और आग बरसा और सदोम और अमोरा को नाश कर दिया *(उत्पत्ति 19)* सारंग, गंधक और आग उन पर बरसने के बाद समुद्र की रेत के समान बहुँत से लोगो को नर्क में गिरते हुए देखी ।

प्रभु यीशु अपने दुख को प्रकट किए उन लोगो के लिए जो हमेशा गंधक और आग से नर्क में हमेशा जलेंगे। यीशु के दुख के ओर से आँसू बहाते

हुए सारंग अपने आत्मिक अनुभव को बाटती है। उसके आँसू यीशु के दुख को जो लोग आग और गंधक से जलेंगे, प्रतिनिधित्व करते हैं।

आप इस संदेश को सुनते हैं, कृपया प्रभु यीशु के दुख को साझा करें। मैं प्रार्थना करती हूँ कि प्रभु का स्वागत करने और जागते रहने में आप अपना श्रेष्ठ करेंगे, ताकि आप उसके हाथों में उठाए जाए।

साक्षात्कार

साक्षात्कारकर्ता :

सारंग, कृपया अपने आत्मिक अनुभव के बारे में बताए ?

सारंग :

कुछ दिन पहले जब मैं बाईबल पढ़ रही थी, थोड़े समय के लिए मैं सोने और जागने के बीच की मुद्रा में थी, उसी समय मैं स्वर्ग और नर्क देखी। और प्रभु ने कहा में जो भी देखु पृथ्वी पर हरेक रहने वाले लोगो को बताऊ।

सारंग की माता :

सारंग मेरे पास आई और बोली ''मम्मी ! मैं स्वर्ग और नर्क देखी !'' और जो वह देखी मुझे बताना प्रारंभ कर दी। मैं उसको सुनने लगी। जब मैं सुनी, तब मुझे एहसास हुआ कि यह एक सपना मात्र नही है, परंतु आत्मिक अनुभव है। मैं विश्वास करती हूँ कि प्रभु यीशु ने उसको यह अनुभव दिया, कि वह न्याय के दिन के विषय में सबको सचेत कर सके।

सारंग प्रतिदिन परमेश्वर के वचन मनन करती है। जू-सारंग चर्च में। वह परमेश्वर के आवाज को स्पष्टता से सुन सकती है।

मुझे यकीन है कि न्याय के दिन के विषय में सारंग के रुप में बच्चों के माध्यम से प्रभु अपने लोगो को तैयार कर रहे हैं।

साक्षात्कारकर्ता :

आप क्या देखी ?

सारंग :

मैं देखी, बड़ी लंबी बस जो बहुँत चमक रही थी, वहाँ करीब 30 लोग बस के आगे कतारपंक्ति होकर इंतजार कर रहे थे। जब दरवाजा खुला तब सब लोग कतार से बस में चढ़ने लगे, जब वे सब बस में चढ़ गए, दरवाजा बंद हो गया।

अचानक, भूरे कपड़े पहने लोग दिखाई दिए, और दरवाजे पर प्रहार करने लगे, दरवाजा खोलने बोलने लगे, जबकि दरवाजा कभी नही खुला। *(लूका 13:25)*। तो वे हार मान कर चले गए, वे स्वर्गीय बस पर बहुँत क्रोधित हुए। जब वे चले गए, वे काले रंग में बदल गए।

साक्षात्कारकर्ता :

आप बस में और क्या देखी ?

सारंग :

बस में स्वर्गदूत भी थे। आम लोग से स्वर्गदूत पाँच गुना अधिक लंबे लग रहे थे। वे चमकदार सफेद कपड़े पहने थे, और उनके दाहिने हाथो में जव्लंत तलवारे पकड़े हुए थे। वे बस और बस के अंदर के लोगो की सुरक्षा कर रहे थे।

साक्षात्कारकर्ता :

बस के अंदर लोग क्या कर रहे थे ?

सारंग :

सब मुस्कुरा रहे थे। जब मैं ध्यान से देखी, कुछ लोग बाईबल पढ़ रहे थे, जबकि कुछ परमेश्वर का वचन को एम.पी.3 से सुन रहे थे।

साक्षात्कारकर्ता :

कौन चालक के स्थान पर बैठे थे ?

सारंग :

मेरे पादरी चालक के स्थान में बैठे थे। और उनके बगल में एक उज्जवल, चमकदार व्यक्ति बैठे थे। वे बहुँत ही उज्जवल थे, वे मानव जैसे नही लग रहे थे। मेरे पादरी के पीछे बहन सीआन ईउइ थी। सफेद कपड़ो में और अन्य लोग कौन थे, मैं नही जानती।

साक्षात्कारकर्ता :

आप उसके बाद कहाँ गए ?

सारंग :

स्वर्गीय बस स्वर्गदूतो के साथ स्वर्ग की ओर उड़ रहा था। लेकिन जैसे ही ऊपर उठने लगा, आग और गंधक स्वर्ग से नीचे गिरने लगा। और जमीन खुल गया, और आग यहॉ और वहॉ से बाहर आया। *(लूका 17:29)*

लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे, रो रहा थे, ''मेरी सहायता करो ! मेरी सहायता करो !'' परंतु आग ने सबको जला दिया जो स्वर्गीय बस में नही थे।

साक्षात्कारकर्ता :

बस में लोग कैसे दिख रहे थे ?

सारंग :

सब के पास शांतिपूर्ण मुस्कान थी।

साक्षात्कारकर्ता :

जब स्वर्गीय बस स्वर्ग के लिए उड़ान भरी आप कहाँ चले गए ?

सारंग :

बस ऊपर उठने लगी, और स्वर्ग के एक स्थान में पहुँचे। मैं एक

प्रकाशमान सिंहासन देखी, और उस पर प्रभु यीशु मसीह बैठे थे। और सिंहासन के पीछे एक दरवाजा था, जो केवल स्वर्गदूतों द्वारा ही खोला जा सकता था। थोड़ी देर के बाद, स्वर्गदूतों ने दरवाजा खोला, और जो लोग बस में थे उसमे से भीतर गये। जब वे उसमे से भीतर चले गये, दरवाजा बंद हो गया। मुझे दृढ़ता से महसूस हुआ कि दरवाजा कभी नही खुलेगा।

साक्षात्कारकर्ता :

जब दरवाजा खुला था, आप क्या देखीं ?

सारंग :

जब दरवाजा खुला था, एक उज्जवल प्रकाश आगे की ओर चमक रहा था, और एक सुंदर प्रकृति दृश्य दिखाई दिया। वह बहुँत सुंदर था, मैं चकित

थी। मैं, बहुँत स्वर्गदूत, जानवर, फूल और पेड़ देखी। स्वर्गदूत फूल को देखकर मुस्कुरा रहे

थे, और जानवर खेल रहे थे, और आराम कर रहे थे। फूल पूरे खिले थे, और पेड़ो में कोई त्रुटि नही थी। मैं मन में सोची ''वाह ! यह बहुँत शांतिपूर्ण है ! मैं यहाँ रहना चाहती हूँ !''

साक्षात्कारकर्ता :

बचे हुए लोगो का क्या हुआ ?

सारंग :

मैं देखी, समुद्र के रेत के समान लोग परमेश्वर के सिंहासन के सामने खड़े

थे। जैसे ही मैने उसे देखा, मैं जान गई यह ''परमेश्वर का न्याय सिंहासन'' है। एक दूत प्रभु द्वारा खड़ा था। अचानक, स्वर्गदूत ने एक व्यक्ति को पकड़ा, जो

न्याय सिंहासन के सामने खड़ा था, और उसे जमीन से घसीटते हुए नर्क की ओर खुलने वाले टीले पर ले गया। उस स्वर्गदूत ने दूसरे स्वर्गदूत को उसे सौंप दिया, जो टीले पर था। तब वह व्यक्ति नर्क में फेंक दिया गया। *(प्रकाशितवाक्य 20:15)* उसके बाद प्रभु ने बचे लोगो का न्याय किया। वे सब नर्क में फेंक दिए गए। वे दया के लिए चिल्लाने और रोने लगे

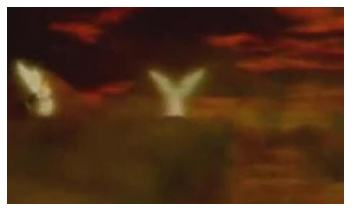

''प्रभु ! कृपया मुझे बचाईए ! कृपया मुझे बचाईए !''

परंतु प्रभु ने कहा ''अब पश्चाताप के लिए बहुँत देर हो चुकी है !''

साक्षात्कारकर्ता :

आप नर्क में क्या देखी ?

सारंग :

मैं देखी नर्क में लाल समुद्र जो आग से उबल रही थी, और धुआ आकाश

में उड़ रहा था। आकाश बहुँत अंधकार था, जिससे मैं उसके आखिर को नही देख पा रही थी। मैं देखी

पंख वाला शैतान आकाश मे उड़ रहा था और चिल्ला रहा था।

यह बहुँत ड़रावना और भयानक था। पंख वाला लोगो का भयानक निन्दा करते हुए कहता है ''तुम लोगो ने कुछ नही किया सिर्फ पाप किया !'' लोग वहॉ आग के समुद्र में रो रहे थे, चिल्ला रहे थे, ''कृपया मुझे बचाओ !'' जबकि जितना अधिक वे चिल्लाते

उतना अधिक तेज उनकी यातनाए होती। शैतान लोगो को तलवारो से मार रहा था। वहॉ बहुँत सारा छोटा कीड़ा था, जो लोगो को खाता था। *(मरकुस 9:48)*। मैं बहुँत ड़र गई थी,परंतु जब मैं ऊपर आसमान में स्वर्ग का राज्य देखी, और मैं ड़री हुई महसूस नही कर रही थी। नर्क को देखते ही ड़र लगता,परंतु जब मैं स्वर्ग देखी, मैं आनंद से भर गई।

जब मैं ध्यान से देखी, स्वर्गदूत आसमान में उड़ रहे थे, और गा रहे थे, '' प्रभु की स्तुती हो ! प्रभु की आराधना हो!''

इस अनुभव के बाद, मैं फिर से पूरी तरह से होश में आ गई। मुझे ऐसा महसूस हुआ, जैसे मैं अभी स्वर्ग और नर्क से आई। इस आत्मिक अनुभव के बाद, मैं अपने मन में सोंची ''मैं किसी भी कीमत में स्वर्ग ही जाउंगी, और नर्क कभी नही जाउंगी''। मुझे लगता है कि इस दुनिया से कुछ लोग ही हैं जो बचाए जा रहे हैं, क्योकि मैं केवल 30 लोगो को ही स्वर्गीय बस में देखी,और बाकी लोग जो पृथ्वी पर थे नर्क में ड़ाले गए।

यह 30 लोगो की तुलना में और भी कम हो सकती है,

क्योकि *लूका 17:26* कहता है, वैसे ही जैसे नूह के दिनों में हुआ था, मनुष्य के पुत्र के दिनों में भी ऐसा ही होगा। जो इस दुनिया का अंत है। और नूह के

जहाज में केवल 8 लोग ही थे। केवल 8 लोग ही नूह के दिनों में बच पाए थे। इसलिए मेरा मानना है कि बचे हुए लोगो की संख्या बहुँत कम होगी।

इसलिए, मैं अब दृढ़ता से जागते रहने और स्वर्ग

जाने के लिए किसी भी कीमत की परवाह ना करते हुए प्रतिबद्ध हूँ, प्रभु यीशु कहते हैं कि उनका आना अति शीघ्र है। जबकि उस दिन और समय को कोई नही जानता। *(मत्ती 24:36)* इसलिए हमें जागते रहना और प्रभु यीशु से मिलने के लिए हमेंशा तैयार रहना है। *(लूका 21:36)*, क्योंकि जो व्यक्ति प्रभु यीशु से नही मिलेगा, जैसे चोर रात में आता है, वैसे ही प्रभु यीशु आएगें, फिर वे स्वर्ग नही जा पाएगें !

प्रभु ! इस अनमोल अनुभव के लिए आपका धन्यवाद।

मैं आपसे प्यार करती हूँ !

[spritlessons.com द्वारा टिप्पणी :

सारंग की गवाही जो सिर्फ कुछ लोग स्वर्ग पहुँचाए जाते हैं, इसका यह मतलब नही है कि, थोड़े ही लोग बचेंगे।

प्रकाशितवाक्य 7:9,13&14 कहता है "इसके बाद मैंने देखा कि मेरे सामने एक विशाल भीड़ खड़ी थी, जिसकी कोई गिनती नही कर सकता था। इस भीड़ में हर जाति के, हर वंश के, हर कुल के तथा हर भाषा के लोग थे।" वे उस सिंहासन और उस मेंमने के आगे खड़े थे। *सारंग, प्यार के लिए कोरियाई शब्द है।]*

Translated by translate_to_hindi@yahoo.com